यूएस-चीन व्यापार युद्ध भारतीय उत्पादों को प्रतस्पिर्द्धी बना सकता है : सीआईआई रपिोर्ट

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय उद्योग परसिंघ (Confederation of Indian Industry-CII) ने कहा है कि अमेरिका द्वारा चीन से 34 बलियिन अमरीकी डालर के आयात पर अतरिक्ति 25 फीसदी शुल्क लगाए जाने से कुछ भारतीय उत्पाद अधकि प्रतस्पिर्द्धी हो सकते हैं।

प्रमुख बदिु

- उद्योग मंडल के एक वश्लिेषण के अनुसार भारत को अमेरिकी बाज़ार में मशीनरी, इलेक्ट्रकिल उपकरण, वाहन, ट्रांसपोर्ट कलपुर्जे, रसायन, प्लास्टकि और रबड़ उत्पादों पर ध्यान देना चाहयि।
- सीआईआई की रपिोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका और चीन द्वारा एक-दूसरे के आयात पर शुल्क बढ़ाने के फैसले से भारत दोनों देशों के बाज़ारों में नरि्यात के लयि कई उत्पादों पर ध्यान दे सकता है।

टैरफि में हुई वृद्धि

- उद्योग मंडल ने कहा कि जिनि उत्पादों पर शुल्क बढ़ाया गया है उनमें अमेरिका को नरि्यात कयि जाने वाले भारत के शीर्ष उत्पादों में पंप, सैन्य वमिान के कलपुर्जे, इलेक्ट्रो डायग्नास्टकि उपकरण के पुर्जे, 1500 से 3000 सीसी के यात्री वाहन और वॉल्व बॉडीज़ शामलि हैं।
- सीआईआई के अनुसार, 2017 में इन उत्पादों का नरि्यात 50 मलियिन यूएस डॉलर रहा। समन्वति प्रयासों से इन्हें बढ़ाया जा सकता है।
- वयितनाम, इंडोनेशयिा, थाईलैंड और मलेशयिा जैसे देशों ने हाल के वर्षों में इन उत्पादों के नरि्यात को अमेरिका में बढ़ाया है|
- इन श्रेणयिों में अमेरिका के लयि भारत के मौजूदा नरि्यात के आधार पर रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र, वाहन और ऑटो पार्ट्स, इंजीनयिरिंग सामान आदि के लयि मध्यवर्ती पार्ट्स जैसे उत्पादों के नरि्यात की उच्च क्षमता है|
- सीआईआई ने कहा कि परिधान और कपड़ा, फुटवयिर, खलिौने और गेम्स तथा सेलफोन वनिरि्माण भारत में प्रतस्पिर्द्धी उद्योग बन गए हैं जन्हिें प्रोत्साहति कयिा जाना चाहयि।
- उद्योग मंडल ने सुझाव दयिा है कि अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में इन उत्पादों द्वारा भारत के प्रतस्पिर्द्धी लाभ को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाई जानी चाहयि।
- इसके अलावा, भारत के कारोबारी माहौल में अमेरिकी फर्मों के वश्विास को बढ़ावा देने के लयि अमेरिका से वदिेशी प्रत्यक्ष नवेिश को प्रोत्साहति कयिा जाना चाहयि| इसके बेहतर दीर्घकालकि परणिामों के लयि भारत में गैर-टैरफि बाधाओं के संबंध में उनकी चतिाओं को दूर करने की आवश्यकता हो सकती है।
- घरेलू उद्योग के संदर्भ में कहा गया है कि चन्हिति कयि गए भारतीय उत्पादों के घरेलू उत्पादन में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के दौरान उत्पादकता में वृद्धि कयिा जाना महत्त्वपूर्ण है।
- सीआईआई ने 818 उत्पादों की जाँच की जनि पर अमेरिका ने चीन से आयात के लयि टैरफि बढ़ाए हैं।
- 2012 से 2017 के बीच, अमेरिका के लयि चीन के नरि्यात ने दूरसंचार उपकरण, मोटर वाहन, सेल फोन इत्यादि जैसे उच्च प्रौद्योगिकी वस्तुओं में त्वरति वृद्धि के साथ मूल्य शृंखला को बढ़ा दयिा है।

भारतीय उद्योग परसिंघ

- भारतीय उद्योग परसिंघ (CII) सलाहकार और परामर्श प्रक्रयिाओं के माध्यम से भारतीय उद्योग, सरकार और नागरकि समाज की साझेदारी के साथ भारत के वकिास के लयि अनुकूल वातावरण बनाने का काम करता है।
- सीआईआई एक गैर-सरकारी, गैर-लाभकारी, उद्योगों का नेतृत्व और प्रबंधनकर्त्ता संगठन है जो भारत की वकिास प्रक्रयिा में सक्रयि भूमकिा नभिा रहा है।
- भारत के इस प्रमुख व्यापार संघ के वर्तमान में नजिी और सार्वजनकि क्षेत्रों के SMEs तथा MNCs सहति लगभग 9000 सदस्य हैं और लगभग 265 राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय उद्योग नकिायों के 300,000 से अधकि उद्यम इसके अप्रत्यक्ष सदस्य हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/us-china-trade-war-can-make-indian-products-competitive-says-cii